ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय

दरभंगा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित
चार वर्षीय स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा
(च्वाइस-बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अन्तर्गत)
एवं
प्रवेश निर्देशिका

कुलसचिव
प्रोफेसर मुश्ताक अहमद

कुलपति
प्रोफेसर सुरेन्द्र प्रताप सिंह

Eligibility Criteria for Admission in Bachelor Programme

UG Science (B.Sc.)	UG Commerce (B.Com.)	UG Arts (B.A.)
Candidates who have passed Intermediate Science examination (I.Sc.) or +2 Science Stream of Bihar School Examination Board or equivalent examinations offered by other approved National/State Boards are eligible for admission in UG Science.	Candidates who have passed Intermediate Examination with Arts, Science or Commerce Subjects (I.A./I.Sc./I.Com) or +2 of Bihar School Examination Board or equivalent examination offered by other approved National/ State Boards are eligible for admission in UG Commerce.	Candidates who have passed Intermediate examination with Arts, Science or Commerce Subjects (I.A./I.Sc./I.Com) or +2 of Bihar School Examination Board or equivalent examination offered by other approved National/State Boards are eligible for admission in UG Arts.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति कुछ मौलिक सिद्धांतों को रेखांकित करती है, जिन पर भविष्य के वर्षों में भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों को अग्रसरित होना है। यह नीति छात्रों के समग्र विकास पर बल देता है, ताकि इक्कीसवीं शताब्दी के मांग के अनुरूप हमारी शिक्षा व्यवस्था उत्कृष्ट, विचारशील, सृजनात्मक नागरिक तैयार कर सके। इस पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्नातक स्तर के लिए एक नया **Curriculum and Credit Framework** तैयार कर जारी किया है। यूजीसी ने इस स्नातक पाठ्यक्रम को क्रेडिट ढांचे के साथ विकसित किया है। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने दूरदर्शी कुलपति प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में **UGC** के इस **Framework** को बिहार में लागू करने का प्रस्ताव महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति, शिक्षा विभाग, एवं बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद को प्रस्तुत किया। महामहिम कुलाधिपति महोदय ने इसका संज्ञान लेते हुए इस ओर त्वरित कार्रवाई हेतु बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की दो समिति के गठन का आदेश निर्गत किया। इन दोनों समितियों के अध्यक्ष के रूप में महामहिम कुलाधिपति महोदय ने मिथिला विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति को मनोनीत किया। महामहिम कुलाधिपति महोदय कार्यालय द्वारा दिनांक 15.05.2023 को जारी चार वर्षीय स्नातक स्तरीय विनियमन एवं पाठ्यक्रम इसकी परिणति है।

बिहार में वर्ष 2023 से स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश कुलाधिपति महोदय द्वारा अनुमोदित इस विनियमन के अनुरूप ही होगा। विनियमन की प्रति विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर देखा जा सकता है। इस विनियमन के मौलिक एवं महत्वपूर्ण पहलूओं का सरलीकृत स्वरुप विभिन्न पक्षधारियों के सुलभ अवलोकनार्थ नीचे प्रस्तुत है :–

1. पूर्व के वर्षों में स्नातक स्तर पर प्रवेश प्रतिष्ठा, एवं सामान्य पाठ्यक्रम में अलग–अलग हुआ करता था। वर्ष 2023 से सामान्य पाठ्यक्रम की पढ़ाई समाप्त कर दी गयी है।

2. अब अभ्यर्थी स्नातक में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के समय मुख्य विषय के रूप में कला/वाणिज्य/विज्ञान संकाय के किसी एक विषय का अपने **Major Subject** के रूप में चयन करेंगे। भविष्य में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के उपरान्त उन्हें इसी विषय में प्रतिष्ठा की उपाधि प्राप्त होगी।

3. इसके अतिरिक्त जिस संकाय से अभ्यर्थी ने **Major Subject** चुना है, उन्हें उसी संकाय से एक विषय **Minor Subject** के रूप में,तथा एक विषय **Interdisciplinary Subject** के रूप में चयन करना होगा। ये विषय पूर्व के अनुषांगिक **(Subsidiary)** विषयों की भाँति होंगी।

4. इन विषयों के अतिरिक्त प्रत्येक अभ्यर्थी को प्रथम सेमेस्टर में तीन अन्य विषय–समूहों – AEC, SEC, एवं VAC – में से एक–एक विषय का चयन अनिवार्य रूपेण करना होगा :–

(I) Ability Enhancement Course (AEC) के रूप में निम्न आधुनिक भारतीय भाषाओं (MIL) में से एक :–

A. हिंदी,

B. उर्दू,

C.अंग्रेजी,

D. मैथिली एवं

E. संस्कृत

(II) Skill Enhancement Course (SEC) के रूप में निम्न विषयों में से कोई एक :–

A. Basic IT Tools,

B. Creative Writing,

C. Communication in Everyday Life, एवं

D. Digital Marketing

(III) Value Added Course (VAC) के रूप में निम्न विषयों में से कोई एक विषय :–

A. Ethics and Culture,

B. Swachh Bharat,

C. Fit India, एवं

D. Gandhi and Education

5. द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में AEC, SEC, एवं VAC का पेपर तो होगा परन्तु उनके अंदर के विकल्प प्रथम सेमेस्टर से भिन्न होंगे, जिसका ब्योरा बाद में प्रकाशित किया जायेगा। विभिन्न सेमेस्टर के अंतर्गत विषयों का विभाजन निम्न रूपेण है :

I Semester	II Semester	III Semester	IV Semester	V Semester	VI Semester	VII Semester	VIII Semester
Major-1st	Major-2nd	Major-3rd, 4th	Major-5th 6th, 7th	Major-8th, 9th	Major-10th, 11th, 12th	Major-13th, 14th, 15th	Major-16th
Minor-1st	Minor-2nd	Minor-3rd	Minor-4th	Minor-5th, 6th	Minor-7th, 8th	Minor-9th	Minor-10th
Interdisc. 1st	Interdisc. 2nd	Interdisc. 3rd					
MIL	Environ. Science	Disaster Risk Manag.	NCC/NSS /NGO/Soc Serv/Scout & Guide/Sports	Internship			
SEC-1st	SEC-2nd	SEC-3rd					
VAC-1st	VAC-2nd						Research Project & Dissertation

6. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम क्रेडिट आधारित होगा। क्रेडिट की अवधारणा किसी पत्र विशेष का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में महत्व को दर्शाता है। एक क्रेडिट का अर्थ सैद्धांतिक पत्रों में एक घंटा का एक वर्ग प्रति सप्ताह दर्शाता है। प्रायोगिक पत्रों में एक क्रेडिट दो घंटा का एक वर्ग प्रति सप्ताह दर्शाता है। इस प्रकार अगर कोई सैद्धांतिक पत्र 3 क्रेडिट का है तो इसका अर्थ है एक घंटा का तीन वर्ग प्रति सप्ताह, अर्थात 3 वर्ग x 15 सप्ताह (एक सेमेस्टर का अर्थ 90 कार्य दिवस यानी 15 सप्ताह) = 45 वर्ग प्रति सेमेस्टर होगा। सम्पूर्ण चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम 160 क्रेडिट का होगा, और प्रत्येक सेमेस्टर 20 क्रेडिट का होगा।

7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत तैयार ये Curriculam and Credit Framework छात्रों के लिए एक इनोवेटिव और लचीली उच्च शिक्षा प्रणाली प्रदान करेगा, इसके अंतर्गत छात्रों के लिए मल्टीपल एंट्री–एग्जिट की अनुमति और री–एंट्री विकल्प मौजूद है।

8. एक वर्ष (2 सेमेस्टर) पूरा करने के बाद छात्र अगर पढ़ाई रोकना या त्यागना चाहते हैं तो उस स्थिति में उन्हें यूजी प्रमाण पत्र (Undergraduate Certificate) प्रदान किया जाएगा, वशर्ते उन्होंने उस वर्ष के ग्रीष्मावकाश के दौरान चार क्रेडिट का व्यावसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course) सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

9. दो वर्ष (4 सेमेस्टर) पूरा करने के बाद छात्र अगर पढ़ाई रोकना या त्यागना चाहते हैं तो उस स्थिति में उन्हें यूजी डिप्लोमा (Undergraduate Diploma) प्रदान किया जाएगा, वशर्ते उन्होंने उस वर्ष के ग्रीष्मावकाश के दौरान चार क्रेडिट का व्यावसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Course) सफलता पूर्वक पूरा किया हो।

10. तीन वर्ष (6 सेमेस्टर) पूरा करने के बाद छात्र अगर पढ़ाई रोकना या त्यागना चाहते हैं तो उस स्थिति में उन्हें स्नातक प्रतिठा (BA /BSc /BCom Honours) की डिग्री प्रदान की जाएगी वशर्ते उन्होंने तीनों वर्ष के सभी पत्र सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो।

11. चार वर्ष (8 सेमेस्टर) पूरा करने के बाद उन्हें स्नातक प्रतिष्ठा शोध के साथ (BA / BSc /BCom Honours with Research) की डिग्री दी जायेगी। चौथा वर्ष मुख्य रूप से शोध–आधारित शिक्षा के लिए होगा, परन्तु इस पाठ्यक्रम में प्रवेश केवल उन्हीं छात्रों का हो पायेगा, जिन्होंने पिछले 6 सेमेस्टर में न्यूनतम 7.5 CGPA प्राप्त किया हो।

12. इस नई व्यवस्था में जो अभ्यर्थी मात्र स्नातक की डिग्री पाना चाहते हैं, उन्हें 6 सेमेस्टर अर्थात 3 वर्षों में स्नातक प्रतिष्ठा (BA/BSc/BCom Honours) की डिग्री उपलब्ध हो सकती है, वशर्ते उन्होंने वांछित क्रेडिट का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो, तथा इसके लिए आवश्यक प्राप्तांक प्राप्त किये हों। चार वर्षों के स्नातक पाठ्यक्रम का विकल्प केवल उन्हीं अभ्यर्थियों के लिए है जो प्रतिष्ठा के साथ–साथ शोध (Honours with Reserach) की डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। ऐसे अभ्यर्थियों के लिए चतुर्थ वर्ष की स्नातक की पढ़ाई के उपरांत स्नातकोत्तर में प्रवेश अथवा सीधे शोध में जाने का विकल्प खुला रहेगा। चार वर्षों के स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अभ्यर्थियों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एक वर्ष अर्थात दो सेमेस्टर मात्र का होगा। परन्तु तीन वर्षों में स्नातक की डिग्री लेने वाले छात्रों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम दो वर्षों अर्थात चार सेमेस्टर का होगा।

13. जिन छात्रों ने अपनी प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्षों की पढ़ाई पूरी करने के बाद अध्ययन छोड़ा है, वे अपनी पढ़ाई अगले तीन वर्षों के अंदर कभी भी पुनः प्रारम्भ कर सकते हैं। प्रथम सेमेस्टर से अष्टम सेमेस्टर तक की पढ़ाई उन्हें अधिकतम सात वर्षों में पूरी करनी होगी, अन्यथा उनका नामांकन समाप्त हो जायेगा।

14. प्रत्येक पत्र में आंतरिक परीक्षा (CIA) के रूप में एक मिड सेमेस्टर टेस्ट होगा; एवं सेमेस्टर समाप्ति के उपरांत विश्वविद्यालय स्तर की लिखित परीक्षा (ESE) होगी। छात्रों को आंतरिक एवं विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षा में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। किसी पत्र में उत्तीर्ण होने के लिए परीक्षार्थियों को न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।

15. नामांकन हेतु चयन सूची विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जायेगी। नामांकन के समय महाविद्यालय प्रशासन प्रत्येक छात्रों के अभिलेखों को जांचकर संतुष्ट होने के उपरांत ही नामांकन स्वीकार करेंगे।

16. ऑनलाइन आवेदन करने के समय छात्रों द्वारा भरे प्रविष्टियों में, **Major Subject** को छोड़कर, अगर कोई संशोधन अपेक्षित प्रतीत होता है तो उसका संशोधन महाविद्यालय अपने स्तर से करते हुए अपने डैशबोर्ड पर तदनुरूप प्रविष्टि करेंगे।

17. इस संदर्भ में विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड किये गए विनियमन की प्रति देखी जा सकती है।

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY

Kameshwaranagar, Darbhanga

ADMISSION SCHEDULE OF 4-YEAR B.A./B.SC/B.COM. PROGRAMMES-2023

	Activities	Schedule
1.	Commencement of filling online application form for admission	25.05.2023
2.	Last date for filling of online application form for admission	08.06.2023
3.	Filling of online application form for admission (With late fee 200/-)	09.06.2023 to 12.06.2023
4.	Publication of provisional list	14.06.2023
5.	Online correction in data against provisional list, if any *(Excluding Major subject and preference of colleges)*	14.06.2023 to 15.06.2023
6.	Publication of first selection list	20.06.2023
7.	Admission at concerned college from first selection list	22.06.2023 to 01.07.2023
8.	Commencement of Classes	04.07.2023
9.	Next selection list as per availability of seats	

मुद्रक : ल०ना०मि०वि०प्रेस, कामेश्वरनगर, दरभंगा